



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

अलावारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से त्रकालित

PUBLISHED BY AUTHORITY

भा० ६५]
No. 65]मई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल ३, १९७८/चैत्र १३, १९००
NEW DELHI, MONDAY, APRIL 3, १९७८/CHAITRA 13, १९००

इच्छा भरा मैं विभिन्न पृष्ठ संख्या वाली हैं जिनके लिए यह अलग संख्याओं के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate Compilation

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

नियर्वात व्यापार विभाग

व्यापारिक सूचना संख्या १८ ई०टी०सी० (पी०एन०)/७८

नई दिल्ली, ३ अप्रैल, १९७८

विषय.—सीमित भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया के लिए नियर्वाते के आवश्यक में जानकारी/कियाविधि।

वि० सं० ५/३/७८/ई०-१:—सार्वजनिक सूचना संख्या ४४-ई०टी०सी० (पी०एन०)/७५ दिनांक १५ अप्रैल, १९७५, संख्या-६-ई०टी०सी० (पी०एन०)/७६ विनांक २७ फरवरी, १९७६, संख्या १६-ई०टी०सी० (पी०एन०)/७६ विनांक २८ मई, १९७६, संख्या-२३ ई०टी०सी० (पी०एन०)/७६ दिनांक, १३ अगस्त, १९७६, और संख्या-५ ई०टी०सी० (पी०एन०)/७७, दिनांक १९ जनवरी, १९७७ से आगे यूगोस्लाविया की सरकार के आवश्यकताएँ करने पर यह नियर्वात किया गया है कि निम्नलिखित उल्लादों के आगे के लिए नियर्वाते के लिए प्रत्येक के सामने संकेतित सीमा तक सीमित रूपया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत स्वीकृति दे दी जाए।—

(लाख रुपये में)

(१) ईडलम सहित सूती बस्त	90
(२) रेयन/रेशम/मनुष्य निर्मित तन्तु बस्त	10

२ सीमित रूपया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया के लिए ऐसे नियर्वातों का नियमन करने हेतु निम्नलिखित कियाविधि निर्भरित की गई है—

(१) ऐसे नियर्वातों जो रूपया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत उच्चवृक्ष किया १ में उल्लिखित माल का नियर्वात करना चाहते हैं उन्हें काहिए कि वे तत्काल ही अपनी संविदाएँ करें।

सूती बस्त नियर्वात संबंधित समिति, बम्बई और रेशम और रेपन बस्त नियर्वात संबंधित समिति, बम्बई के पास बंजीकृत करा दें।

केवल उस नियर्वातों को आवेदन करना चाहिए जिसके पास यूगोस्लाविया के उस आवायातक के साथ की गई संविदा है जिसके पास जारी किया गया वैध साइरेंस है। ऐसा करते समय नियर्वातों को चाहिए कि वे सम्बद्ध अधिकारण को संविदा (ओ) की प्रति के प्रतिरिक्षित निम्नलिखित जानकारी दी जाएँ।

(क) उस यूगोस्लाविया आवायातक का नाम और पता जिसके पास यूगोस्लाविया अधिकारियों द्वारा जारी किया गया है वैध प्राधिकार पत्र है।

(ख) संविदा (ओ) की लंबाई और विनांक।

(ग) सुपुर्वी तारीख।

(घ) उस जारीतीय पत्र का नाम वहाँ से नियर्वात के लिए बदावी किया जाना है।

(ङ) उस में जामिल पद्धतिस्तु एवं उस का मूल्य।

(च) उस यूगोस्लाविया पत्र का नाम जिसके लिए नियर्वात के लिए बदावी बुक किया जाता है।

(2) तम्बद्ध अधिकारण वहूले आए, सो पहले पाए, के आवार पर संविदा एवं बंजीकृत करेगी और नियर्वातों एवं पत्रम् लाइसेंस प्राधिकारियों को (उन मदों के मामले से जो नियर्वात नियबद्ध के अद्वितीय है) और सीधा बुक अधिकारियों को (उन मदों के मामले में जो कि नियर्वात नियमण के अद्वितीय नहीं है और जो जो कुमा जामान्य लाइसेंस संख्या ३ के अन्तर्गत जामिल की गई है) आवारक वराग्रन्थ जारी करेगी।

(3) निर्धारित नियंत्रण प्राधिकारियों द्वारा यूगोस्लाविया के लिए नियंत्रित के लिए नियंत्रित मर्दों के मामले में (खुला सामान्य लाइसेंस 3 के अन्तर्गत भागे गाली को छोड़कर) रुपए में लदान विलों को भेजेगा और जो केवल नियंत्रित मर्दों के नियंत्रित के लिए ही रुपीयति देंगे और यह स्वीकृति लदान (विलों) को पास करने की तारीख से इन मर्दों के लिए लागू नियंत्रित नीति के अनुसार लदान विलों पर, तृप्तिकरण करके दी जाएगी। उन मर्दों के सम्बंध में लदान की स्वीकृति सीधे ही सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा सामान्य विधि में से वे दो जाएंगी जो नियंत्रित नियंत्रण के अधीन नहीं हैं और जो खुला सामान्य लाइसेंस संख्या 3 के अन्तर्गत आती है।

(4) लदान, मूल्य, सविदा संख्या एवं नियंत्रित के नाम के ब्यौरे सम्बद्ध अधिकरण द्वारा एक पञ्चवारे में अर्थात् प्रत्येक मास की 15 तारीख और 30 तारीख तक वाणिज्य मन्त्रालय सीमा शुल्क (पिंडासुदामनियन, अवर मनियन) नहीं विली को भेजे जायेंगे।

3. नियंत्रितों को यह परामर्श दिया जाता है कि वे इसे नोट करते कि इस व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया के लिए रुपए में नियंत्रित के लिए तभी सविदाओं के लिए सम्बद्ध अधिकरण का पूर्ण अनुमोदन प्राप्त होना चाहिए और यह उनको सविदाओं के पंजीकरण द्वारा होगा।

4. नियंत्रितों को और आगे भलाह दी जाती है कि भारत से जैसे ही लदान प्रभावी हो जाता है वे उनके बारे में सम्बद्ध अधिकरण को सूचना दें।

5. विभिन्न मर्दों के लिए उच्चतम सीमा की नियंत्रणी उपर्युक्त संकेतित सम्बद्ध अधिकरण द्वारा की जाएगी और जैसे ही उच्चतम सीमा पूरी हो जाती है वे सविदाओं का पंजीकरण बन्द कर देंगे।

का० दै० शेषात्रि, मुख्य नियंत्रण, आयात-नियंत्रित

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(Department of Commerce)
EXPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 17-ETC(PN)/78

New Delhi, the 3rd April, 1978

SUBJECT :—Information/Procedure regarding exports to Yugoslavia under Limited Rupee Payment Arrangement.

F. No. 5/9/76/EL.—Further to Public Notice No. 44-ETC(PN)/75, dated the 15th October, 1975, No. 6-ETC(PN)/76 dated the 27th February, 1976, No. 16-ETC(PN)/76 dated 28th May, 1976, No. 23-ETC(PN)/76 dated 13th August, 1976 and No. 4-ETC(PN)/77 dated 19th January, 1977, it has been decided, in consultation with the Government of Yugoslavia, that further exports of following products, to the extent indicated against each, be allowed under Limited Rupee Payment Arrangement.

(Rupees in lakhs)

1. Textiles of cotton including handlooms	90
2. Rayon/Silk/man-made fibre Textiles	10

2. In order to regulate such exports to Yugoslavia under the Limited Rupee Payment Arrangements, the following procedure has been prescribed :—

(i) Such exporter, who wish to export the goods mentioned in para 1 above under the Rupee Payment Arrangement are required to have their contracts registered with immediate effect with the Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay and Silk and Rayon Textiles Export Promotion Council, Bombay, respectively.

Only such exporters need apply who have a contract with an importer in Yugoslavia possessing a valid letter of authorisation issued by the Yugoslav Authorities. While doing so, the exporters are required to furnish to the agency concerned, in duplicate, the following information in addition to the copy of the contract(s) :—

- (a) Name and address of the Yugoslav importer, having valid letter of authorisation issued by the Yugoslav authorities.
- (b) Contract(s) number and date.
- (c) Delivery schedule.
- (d) Indian port from which the shipment is to be effected for export.
- (e) Commodity and value thereof involved.
- (f) Name of the Yugoslav Port to which the shipment is to be booked for exports.
- (ii) The Agency concerned will register the contracts on first-come, first-served basis and issue necessary advice to the exporters and the Port Licensing Authority (in case of items which are under Export Control) and to the Customs Authorities (in respect of items which are not under Export Control and also those which are included under O.G.L. 3).
- (iii) The exporter will submit the shipping bill in respect of controlled items (except those under OGL 3) for export to Yugoslavia in Rupees to the Export Control Authorities who shall allow export of only controlled items by endorsement on shipping bills in accordance with export policy for that item in force on the date of passing of the shipping bill(s). Shipment in respect of items which are not under Export Control and those which are under OGL 3 shall be allowed direct by the Customs Authorities in the normal manner.

- (iv) The particulars of shipment, value, contract number, name of the exporter will be transmitted by the Agency concerned once a fortnight, i.e. by the 15th and the 30th of each month to the Ministry of Commerce (Shri C. I. Sivasubramanian, Under Secretary) New Delhi, by name.

5. Ceilings for the different items will be watched by export in Rupees to Yugoslavia under this Arrangement must have the prior approval of the concerned Agency by way of registration of their contracts.

4. Exporters are further advised to inform the concerned agency as soon as shipments from India have taken place.

5. Ceilings for the different items will be watched by the concerned agencies, indicated above and they will stop registering the contracts as soon as ceilings are reached.

K. V. SESHADRI, Chief Controller of
Imports & Exports.